बनाया गया है, जिससे बड़े वाहन और बसें उसमें से नहीं गुजर सकतीं। इस कारण, गुजरात सड़क परिवहन निगम, पालनपुर ने सूचित किया है कि बसें केवल रेलवे अंडरब्रिज तक ही चलेंगी। इससे छात्रों और आम नागरिकों को अत्यधिक कठिनाई हो रही है। इस सन्दर्भ में मैंने जनवरी, 2024 में माननीय रेल मंत्री से मुलाकात करके पत्र दिया था।

महोदय, मै आपके माध्यम से रेल मंत्री को बताना चाहता हूँ कि रेलवे नीति के तहत, ऐसे निर्माण के लिए 50 परसेंट व्यय रेलवे मंत्रालय और 50 परसेंट व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। रेलवे ओवर ब्रिज (ROB) के निर्माण के लिए गुजरात सरकार द्वारा पहले ही 55.48 करोड़ रुपए की 50 परसेंट राशि स्वीकृत की जा चुकी है।

अतः मैं आपके माध्यम से रेलवे मंत्रालय से अनुरोध करता हूँ कि अमीरगढ़-दबेला-अंबाजी मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 143 पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण हेतु मंत्रालय आवश्यक वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने की कृपा करे।

Concern over challenges arising in the weather forecasting capabilities due to climate change

श्रीमती संगीता यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भारतीय मौसम विभाग (IMD) को उसकी 150वीं वर्षगांठ पर बधाई देती हूँ। पिछले डेढ़ सौ वर्षों में IMD ने मौसम पूर्वानुमान, आपदा चेतावनी और जलवायु अध्ययन में सराहनीय योगदान दिया है। लेकिन, जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में आ रही चरम अस्थिरता के चलते सटीक पूर्वानुमान लगाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। बदलते जलवायु पैटर्न के कारण चक्रवात, अचानक बाढ़, हीटवेव और अनिश्चित वर्षा जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं, जिससे कृषि, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में, IMD को अपनी मौजूदा तकनीकों का और अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करना होगा, ताकि मौसम पूर्वानुमान की सटीकता बढ़ाई जा सके। हाल ही में, "मिशन मौसम" के तहत IMD ने स्वचालित मौसम निगरानी प्रणाली, डॉप्लर रेडार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा विश्लेषण को अपनाया है। यह महत्वपूर्ण है कि इन अत्याधुनिक तकनीकों का पूरी क्षमता से उपयोग हो और पूर्वानुमान प्रक्रिया को और तेज और प्रभावी बनाया जाए।

अतः मैं सरकार से आग्रह करती हूँ कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय इस दिशा में IMD की क्षमताओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीकी नवाचारों और संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर बल दे, ताकि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके और नागरिकों को सटीक मौसम पूर्वानुमान उपलब्ध कराया जा सके।

Demand to make Jabalpur a Logistics Special Economic Zone (SEZ)

श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक (मध्य प्रदेश): महोदय, जबलपुर, देश के केंद्र में स्थित एक महत्वपूर्ण नगर है, जहाँ से देश के विभिन्न भागों तक आसान और प्रभावी परिवहन संभव है। यह शहर नर्मदा नदी के किनारे स्थित होने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्गों का प्रमुख केंद्र भी है। देश के सबसे

व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग यहाँ से गुजरते हैं, जिससे यह लॉजिस्टिक्स और व्यापार के लिए अत्यधिक उपयुक्त बनता है।

भारत सरकार के द्वारा गतिशक्ति योजना, भारतमाला परियोजना, और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जैसी पहलों के तहत देश में लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक और कुशल बनाया जा रहा है। जबलपुर का नवीनीकृत और उच्च क्षमता वाला हवाई अड्डा इसे अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यापार के लिए और अधिक सक्षम बनाता है। रेलवे के महत्वपूर्ण मंडल मुख्यालय के रूप में जबलपुर की भूमिका इसे लॉजिस्टिक्स और परिवहन के क्षेत्र में एक आदर्श केंद्र बनाती है।

इन अपार संभावनाओं को देखते हुए मैं जबलपुर को लॉजिस्टिक्स स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (SEZ) बनाने का माँग करती हूँ। इससे व्यापार, निवेश और रोज़गार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही, एक लॉजिस्टिक्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जानी चाहिए, जो अनुसंधान और नवीन तकनीकों के माध्यम से भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाए।

मुझे विश्वास है कि जबलपुर, लॉजिस्टिक्स क्रांति का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा और देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

Demand for train service from Goa to Solapur

SHRI SADANAND MHALU SHET TANAVADE (Goa): Sir, I bring to the attention of the Government a matter of concern for the people of Goa and the surrounding regions. The absence of a direct train service between Goa and Solapur (Maharashtra) is causing considerable inconvenience to citizens, tourists and pilgrims alike. The demand for this train route has grown due to the increasing number of travellers visiting Solapur and nearby religious and tourist destinations. These include the Shree-Swami-Samarth-Temple in Akkalkot (approximately 40 km from Solapur), the Shree-Vitthal-Rukmini-Temple in Pandharpur (about 75 km from Solapur), the Shree-Dattatreya-Temple in Ganagapur (about 95 km from Solapur), and other heritage sites such as Badami, Bijapur, Bagalkot and the Almatti-Dam. In the past, the Vasco-Bijapur-Solapur train connected Vasco-da-Gama (Goa) and Solapur. However, this service was discontinued after the broad-gauge conversion in the 1990s. This train was beneficial for business travellers and pilgrims visiting the sacred places near Solapur. Its discontinuation has remained a long-standing concern, with public demand persisting for its restoration to address the connectivity gap, which impacts business, tourism, and pilgrimage activities. I earnestly request the Ministry of Railways to reintroduce a direct train service connecting Goa and Solapur via Madgaon, Sanvordem, Collem, Hubballi, Gadag, Bagalkot, and Bijapur. This route would significantly ease travel, enhance tourism potential in Goa and Karnataka, and improve access to Maharashtra's spiritual and cultural landmarks.